Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 14 , 05 अक्टुबर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

पांच घंटे नेताओं की बाट जोहते रहे छात्र

पूर्वी दिल्ली। नगर निगम द्वारा मंगलवार को गांधी मेले का आयोजन पटपड़गंज स्थित मुख्यालय में किया गया। इसमें निगम स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भी कार्यक्रम था। सुबह आठ बजे बच्चे शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए थे। कार्यक्रम सुबह 10 से शाम पांच बजे तक होना था, लेकिन निगम अधिकारियों की लापरवाही के चलते निगम के नेता दोपहर एक बजे के बाद पहुंचे। इस कारण करीब पांच घंटे बच्चों को निगम के नेताओं का इंतजार करना पड़ा। पूर्वी दिल्ली की महापौर नीमा भगत का कहना था कि मैं और अन्य नेता सुबह 10 बजे ही निगम मुख्यालय पहुंच गए थे, ताकि कार्यक्रम समय से शुरू हो सके। कार्यक्रम के दौरान महापौर नीमा भगत और निगमायुक्त ने चरखा भी चलाया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने अपने रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान स्थायी समिति अध्यक्ष प्रवेश शर्मा, उपाध्यक्ष गुरजीत कौर, नेता सदन संतोष पाल, शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के वार्ड समिति के अध्यक्ष निर्मल जैन, अध्यक्ष सामुदायिक सेवा सचिन शर्मा, पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त डॉ. रणवीर सिंह, अतिरिक्त आयुक्त आरएस मीणा उपस्थित थे।

शोध के मामले में डीयू दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। देशभर के केन्द्रीय विविद्यालयों में शोध के मामले में शोधार्थियों की संख्या कम हो रही है। हालांकि रोचक तय यह है कि आंकड़ों के अनुसार शोध के मामले में वनारस हिन्दू विविद्यालय पहले पायदान पर तो दिल्ली विविद्यालय दूसरे पायदान पर हैं, जबकि अन्य विविद्यालयों में शोधार्थियों की संख्या कम है। देश के 40 केंद्रीय विविद्यालयों में 25021 शोधार्थी पीएचडी कर रहे हैं, वहीं 11770 शोधार्थियों ने एमफिल में प्रवेश लिया है। इन 40 विविद्यालयों के आंकड़ों के अनुसार गुजरात, कश्मीर, उड़ीसा, हरियाणा और बिहार के विविद्यालयों में पीएचडी करने वाले शोधार्थियों की संख्या 2 प्रतिशत भी नहीं है।इस संबंध में डीयू शिक्षकों के फेरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई है। केंद्र सरकार उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए-नए विषयों को शामिल कर रही है, मगर वहीं दूसरी ओर विविद्यालयों की सीटों में कटौती कर रही है। यदि आंकड़ो पर गौर करे तो 31 मार्च 2017 के अनुसार देश के 10 बड़े विविद्यालयों में बनारस हिंदू विविद्यालय का पहला नाम आता है जहां पर सर्वाधिक पीएचडी करने वाले शोधार्थी हैं तो दिल्ली विविद्यालय देश का सबसे बड़ा विविद्यालय होते हुए भी पीएचडी कराने वालों में दूसरे स्थान पर है, वहीं एमफिल कराने वालों में पहला नम्बर है। फेरम के चेयरमैन व विद्वत परिषद के सदस्य प्रो. हंसराज सुमन ने बताया है कि देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़ी करने वाली रिपोर्ट तैयार की है जिसके तहत देश में पीएचडी और एमफिल करने वालों में पंजाब विविद्यालय 25 वें नम्बर पर है तो एमफिल में विश्व भारती विविद्यालय 10 वें नम्बर पर है। यदि 2016-17 शिक्षा सत्र में 40 केंद्रीय विविद्यालयों में मात्र 25021 शोधार्थी पीएचडी कर रहे हैं। इससे पूर्व 2015-16 शिक्षा सत्र में 23113 शोधार्थी पीएचडी कर रहे थे। पिछले सत्र 2015-16 की रिपोर्ट देखे तो देश में कुल 98 हजार 243 पीएचडी के छात्र थे।

बदमाशों ने दूध कारोबारी से 20 लाख लूटे

नई दिल्ली। मयूर विहार क्षेत्र में मंगलवार दिनदहाड़े बाइक सवार छह बदमाशों ने मदर डेयरी दूध के कारोबारी से 20 लाख रपए लूट लिए। बैंक में तीन दिन की छुट्टी होने के चलते कारोबारी के पास 20 लाख रपए एकत्र हो गए थे। पीड़ित सोनू कुमार (26) अपने चचेरे भाई रंजीत कुमार (32) के साथ रपए लेकर बैंक जा रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने दोनों की बाइक को टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद बदमाशों ने चाकू और पिस्टल दिखाकर बैग में भरी नकदी लूट ली। लूट की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए। जांच के बाद न्यू अशोकनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालकर बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार पीड़ित सोनू कुमार परिवार के साथ खोड़ा कालोनी, गाजियाबाद में रहता है। परिवार में चार भाई व अन्य सदस्य हैं।

पीएम मोदी ने कहा - ईमानदार लोगों के हितों की सुरक्षा की जाएगी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को सरकार के आर्थिक फैसलों को लेकर हो रही आलोचनाओं का मुहंतोड़ जवाब दिया। इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के स्वर्ण जयंती वर्ष के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि आज के युग में ऐसे कई लोग हैं जो महाभारत के शल्य की तरह हतोत्साहित करने में लगे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने अरुण शौरी और यशवंत सिन्हा का नाम लिए बैगर उनपर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निराशा फैला रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान ये प्रमुख बातें कहीं –

– दिल्ली स्थित आईसीएसआई में कंपनी सेक्रटरीज को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में ईमानदारी को स्थापित करने में आपके संस्थान की अहम भूमिका है।

– मोदी ने कहा कि यह सरकार के अथक परिश्रम का ही परिणाम है कि आज देश की अर्थव्यवस्था कम कैश के साथ चल रही है। नोटबंदी के बाद कैश टू जीडीपी रेशियो अब 9 प्रतिशत पर आ गया है। आठ नवंबर 2016 से पहले ये 12 प्रतिशत से ज्यादा हुआ करता था।

– पिछली सरकार के कार्यकाल में 8 बार जीडीपी वृद्धि दर 5 फीसदी से नीचे पहुंची। देश की अर्थव्यवस्था ने ऐसे क्वार्टर्स भी देखे हैं, जब विकास दर 0.2 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत तक गिरी।

– पीएम मोदी ने कहा कि बदलती हुई देश की इस अर्थव्यवस्था में अब ईमानदारी को प्रीमियम मिलेगा, ईमानदारों के हितों की सुरक्षा की

जाएगी. मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार द्वारा लिए गए कदम देश को आने वाले वर्षों में विकास की एक नई लीग में रखने वाले हैं। हमने सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं और ये प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी।

– डोकलाम के मुद्दे पर कुछ लोग कह रहे थे कि कुछ नहीं होगा।

– पीएम मोदी ने 8 नवंबर को बताया भ्रष्टाचार मुक्ति का पर्व।

– कई वर्षों से लटका जीएसटी लागू किया,

नोटबंदी लागू करने की हिम्मत भी इस सरकार ने दिखाई।

– कौरवों और पांडवों को एक ही शिक्षा मिली लेकिन दोनों के विचारों में अंतर था।

– जीएसटी से व्यापारियों को होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए सरकार कदम उठाएगी।

व्यापारियों को डरने की जरूरत नहीं है। हम हालात बदलने के लिए कदम उठा रहे हैं।

हाल के दिनों में वाहनों की खरीददारी में इजाफा हुआ है। विदेशी रिकॉर्ड निवेश कर रहे हैं।

लव जिहाद मामला:

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- विवाह को रिट के तहत रद्द नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हाईकोर्ट रिट के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर विवाह को रद्द नहीं कर सकता है। वह सोमवार को इस सवाल पर विचार करेगा कि क्या हाईकोर्ट ऐसा कर सकता है। केरल हाईकोर्ट ने एक मुस्लिम युवक की हिंदू महिला से विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था। निकाह से पहले महिला ने इस्लाम धर्म कबूल किया था। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की एनआईए जांच का विरोध करने वाली याचिका पर 9 अक्तूबर को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि वह इसकी समीक्षा करेगा कि क्या हाईकोर्ट अनुच्छेद 226 के तहत अपने रिट अधिकारों का प्रयोग कर किसी विवाह को रद्द कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि हमारी प्रथमदृष्टया राय है कि हाईकोर्ट यह काम नहीं कर सकता। कोर्ट ने लड़की के पिता की ओर से पेश वकील से भी कि आप उसकी कस्टडी कैसे ले सकते हैं। वह 24 वर्ष की वयस्क महिला है। उसके लिए हम वैकल्पिक संरक्षक नयुक्त कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने इस मामले में विवाह को रद्द कर कहा था कि यह लव जिहाद का मामला हो सकता है और इसमें विस्तृत जांच की जरूरत है। लड़की के वकील ने कहा कि इस मामले कोर्ट ने कुछ ज्यादा ही कड़ा फैसला दिया है। इस मामले में न तो लड़की कोर्ट आई थी और न ही केरल सरकार। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लड़के ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। उन्होंने कहा कि कोर्ट एनआईए की जांच का आदेश वापस ले। सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील की दलीलों को सुनकर ही आदेश दिया था। इस पर उनकी सहमति थी और उन्होंने इसका विरोध नहीं किया था। कोर्ट ने 18 अगस्त को इस मामले में एनआईए को जांच का आदेश दिया था।

योगी सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट ने लगाई मुहर, मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य

इलाहाबाद। बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने योगी सरकार के फैसले मदरसों में राष्ट्रगान गाने पर मुहर लगा दी है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि मदरसों में राष्ट्रगानय गाया जाना अनिवार्य है। कोर्ट का इस फैसले के बाद यूपी में अब सरे मदरसों में राष्ट्रगान गाना अनिवार्य कर दिया है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज का तिरंगे का सम्मान किया जाना चाहिए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने कहा था कि राष्ट्रगान 'जन गण मन' को अनिवार्य किए जाने वाला फैसला वापस होना चाहिए। बीते 6 सितंबर को योगी सरकार ने यूपी के सारे मदरसे में राष्ट्रगान गाने और तिरंगा फहराने का आदेश दिया था। जिसके बाद अलाउल मुस्तफ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी, जिसे खारिज कर दिया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीबी भोसले और जस्टिस यशवंत वर्मा की खंडपीठ ने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज का सम्मान करना संवैधानिक कर्त्तव्य है। जाति, धर्म और भाषा के आधार पर इसमें भेद नहीं किया जा सकता। इससे पहले 15 अगस्त को मदरसों में ध्वजारोहण और तिरंगा फहराने का कार्यक्रम करने और इसकी रिकॉर्डिंग करने के फरमान को लेकर भी यूपी में मतभेद के स्वर खड़े हो चुके हैं। तब मुस्लिम संगठनों ने यूपी सरकार पर मुस्लिमों की देशभक्ति पर संदेह करने का आरोप लगाया था।

कासकर वसूली मामला :

दाऊद का नाम मोस्ट वांटेंड आरोपी के तौर पर शामिल

मुंबई। भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके भाई अनीस इब्राहिम को प्रतिष्ठित बिल्डर से तीन करोड़ रुपये की वसूली मांगने के मामले में मोस्ट वांटेड आरोपी बनाया गया है। ठाणे पुलिस ने बताया कि दाऊद के भाई इकबाल कासकर पर पहले से ही मामला दर्ज है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे पुलिस की अपराध शाखा ने बिल्डर की शिकायत पर वसूली के अपराध में कासकर और दाऊद गिरोह के सदस्यों के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज किया।

दर्ज हुआ मामला

अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मामले में पूछताछ के दौरान दाऊद और अनीस की भूमिका सामने आयी थी जिसके बाद दोनों को इस मामले में वांछित आरोपी के रूप में शामिल किया गया। वर्ष 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों में दाऊद मुख्य आरोपी है।

अधिकारी ने बताया कि कासकर और उसके गिरोह के सदस्यों पर उत्तरी मुंबई में बिल्डर से तीन करोड़ रुपये की वसूली करने के आरोप में पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले महीने वसूली गिरोह

की जांच के संबंध में कासकर और उसके गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद उनके खिलाफ दर्ज वसूली का यह तीसरा मामला है। उन्होंने बताया कि बिल्डर की ताजा शिकायत के अनुसार, कासकर ने गोरई इलाके में 38 एकड़ की भूमि के सौदे को लेकर बिल्डर को कथित तौर पर धमकी दी तथा तीन करोड़ रुपये की उगाही की थी।

हर माह भेजे जाते थे 10-15 लाख रुपए

हाल ही में ठाणे अपराध शाखा के एईसी ने बोरीवली के कारोबारी पंकज गंगार को जबरन वसूली रैकेट के संबंध में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पहले कहा था कि गंगार मटका किंग पप्पू सावला का करीबी सहायक है और दाऊद के करीबी छोटा शकील को हर माह 10 से 15 लाख रूपये भेजता था। पुलिस के अनुसार, गंगार अवैध हवाला लेनदेन के जरिये शकील को रूपये भेजता था। अधिकारी ने बताया कि जबरन वसूली रैकेट मामले में छोटा शकील का नाम भी आया था और उसे वांछित आरोपी घोषित किया जा चुका है।

कैश वैन लूटने की साजिश नाकाम

नई दिल्ली। अलीपुर इलाके में एक साहसी गार्ड ने बाइक सवार बदमाशों की कैश वैन लूटने की कोशिश को विफल कर दिया। लूटपाट की कोशिश कर रहे बदमाशों ने गुस्से में कैश वैन में तैनात इस गार्ड को बाजू में गोली मारकर घायल कर दिया। उपचार के लिए उसे एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक लूटपाट की कोशिश सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

रेलवे ट्रैक पर दोस्तों संग ले रहा था सेल्फी

सेल्फी ले रहा छात्र ट्रेन से कटा

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके में ट्रेन की चपेट में आकर एक छात्र मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक सेल्फी लेते समय छात्र ने ट्रैक पर आती ट्रेन नहीं देखी और ट्रेन की चपेट में आकर घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृत छात्र का नाम अरबाज है। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद अरबाज का शव परिवार के हवाले कर दिया है। परिजनों ने मृतक के दोस्तों पर वारदात में शामिल होने का शक जताते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। केस दर्ज कर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाना पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अरबाज सपरिवार इलाके की लोहा मंडी मार्केट में रहता था। उसके परिवार में पिता हसीन अहमद, मां नसरीन एक भाई वजाहत और एक बहन अदीबा है। अरबाज स्थानीय सरकारी स्कूल में बारहवीं कक्षा का छात्र था और पिता के साथ हैंडीक्राफ्ट के कारोबार में उनका हाथ भी बटाता था। सोमवार को छुट्टी के चलते सुबह ग्यारह बजे वह कुछ दोस्तों के साथ घूमने निकला था। बताया जाता है कि अरबाज के साथ लगभग छह दोस्त थे और सभी कैमरे व मोबाइल लेकर कांति नगर गली नम्बर-पांच के सामने रेलवे ट्रैक पर फोटो खींच रहे थे और सेल्फी ले रहे थे। इस दौरान एक स्थानीय मंदिर के पुजारी ने सभी लड़कों को ट्रैक से हटने के लिए भी कहा, लेकिन लड़के नहीं माने और सेल्फी लेते समय अरबाज तेज रफ्तार की चपेट में आ गया।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि ट्रेन की टक्कर लगते ही अरबाज गिर गया, जबकि उसके दोस्त डरकर भाग गए। परिजनों का आरोप है कि मौके से अरबाज का मोबाइल फ ोन गायब है। आशंका है कि वह किसी हादसे का नहीं बल्कि अनहोनी का शिकार हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को लड़कों के सेल्फी लेते समय हादसे की बात बताई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

मेट्रो पर 26 हजार 760 करोड़ रपए से ज्यादा का लोन

किराया नहीं बढ़ा तो मेट्रो चलाना हो जाएगा मुश्किल : डीएमआरसी

नई दिल्ली। मेट्रो किराए में बढ़ोतरी किए जाने के मामले को लेकर चारों तरफ से विरोध का सामना कर रहे डीएमआरसी का कहना है कि अगर किराए में बढ़ोतरी नहीं हुई तो मेट्रो का परिचालन करना मुश्किल हो जाएगा। बढ़ोतरी नहीं किए जाने का असर तुरंत जनता को नहीं दिखेगा लेकिन दो तीन वर्षों के बाद मेट्रो की हालत इतनी दयनीय हो जाएगी कि इसे चलाना सरकार के लिए मुश्किल हो जाएगा। डीएमआरसी के अनुसार उसके ऊपर इस समय जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी (जीका) का 26,760 करोड़ बकाया है जिसे चुकता करना है। हर साल मेट्रो को 378 करोड़ रपए का शुद्ध घाटा हो रहा है।

अगर किराया नहीं बढ़ता है तो घाटा और बड़ा होता जाएगा। अभी 378 करोड़ रपए के घाटे को कम करना आसान है, लेकिन यह और बढ़ता है तो फिर घाटे की खाई को पाटना मुश्किल हो जाएगा। उस समय किराए में इतनी ज्यादा बढ़ोतरी करनी पड़ेगी कि उसे यात्री वहन ही नहीं कर सकेंगे। डीएमआरसी का कहना है कि 2009 के बाद से दिल्ली मेट्रो का किराया नहीं बढ़ाया गया है जबकि अगर मेट्रो सेवाओं की लागत की बात की जाए तो इस दौरान ऊर्जा क्षेत्र में 105 प्रतिशत की वृद्धि, कर्मचारियों पर होने वाले खर्च में 139 प्रतिशत और मेट्रो की रख रखाव में होने वाले खर्च में 213 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

विधानसभा में बोले– मैं केजरीवाल, कोई आतंकवादी नहीं

गेस्ट टीचर मामला:

नई दिल्ली। 1500 गेस्ट टीचर्स को स्थायी करने को लेकर दिल्ली सरकार ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला। सत्र के दौरान केजरीवाल ने जैसे ही बिल को पटल पर रखा तो बीजेपी के विधायकों ने इसका विरोध किया। दिल्ली सरकार ने 1500 गेस्ट टीचर्स को स्थायी करने वाले बिल को मंजूरी दे दी है। आपको बता दें कि बिल पेश होने से पहले ही मंगलवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा कि गेस्ट टीचर्स को स्थायी करने के लिए लाए जा रहे बिल पर सरकार पुनर्विचार करे, क्योंकि ये मामला उनके या दिल्ली विधानसभा के दायरे में नहीं आता है। बीजेपी के विधायकों के वॉकआउट करने पर केजरीवाल ने कहा कि हिम्मत है तो सामने आए।

बिल पेश करते ही सीएम ने उपराज्यपाल अनिल बैजल पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार के कामकाज से जुड़ी फाइलों को सरकार के मंत्रियों से क्यों छुपाई जा रही हैं। हम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि इन फाइलों को ऐसे छुपाया जा रहा है जैसे वो आतंकी हो। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली की जनता द्वारा चुने गए सीएम है कोई आतंकी नहीं। केजरीवाल ने विधानसभा सत्र के दौरान उपराज्यपाल पर हमला बोलते हुए शाहरूख खान की फ िल्म का डायलॉग भी बोला। उन्होंने कहा कि 'माई नेम इज खान आई एम नॉट अ टेरर रिस्ट। मैं बताना चाहता हूं मेरा नाम केजरीवाल है और मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं।'

विपत्ति में प्रकृति बदल देना अच्छा है, पर अपने आश्रय के प्रतिकूल चेष्टा करना अच्छा नहीं -अभिनंद

हथियार रखने की आजादी

अमेरिका के लास वेगास में एक संगीत समारोह के दौरान भीषण गोलीबारी की घटना ने घातक हथियार रखने के आसान कानून में बदलाव की मांग को एक बार वहां फिर बहस के केंद्र में ला दिया है। अमेरिकी समाज में पिछले कुछ वर्षो के दौरान गोलीबारी की घटनाएं आम हो गई हैं। अभी पिछले साल जून 2016 में ओरलैंडो के नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में 49 लोग मारे गए। इसलिए वहां घातक स्वचालित हथियार रखने के आसान कानून पर सवाल उठते रहे हैं। लास वेगास में हुई गोलीबारी अब तक की सबसे घातक घटना है। इसमें 58 निदरेष लोगों की मौत हो गई और 500 से अधिक घायल हो गए। दरअसल, अमेरिका दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने के अधिकार को संविधान से संरक्षण मिला हुआ है। करीब चालीस फीसद लोगों के घरों में स्वचालित आधुनिक हथियार हैं। जाहिर है जब अमेरिकी समाज में इतने व्यापक स्तर पर हथियार रखने की आजादी मिली हुई है तो इसका बेजा इस्तेमाल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इन घातक हथियारों के इस्तेमाल किए जाने से संबंधित किए गए एक सव्रेक्षण की रिपोर्ट बहुत ही चौंकाने वाली है जिस पर ट्रंप प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। रिपोर्ट बताती है कि आत्मरक्षा के मुकाबले अपराध करने के उद्देश्य से इन हथियारों का इस्तेमाल 10 गुना ज्यादा बार किया गया है। इसलिए अमेरिकी समाज में हथियार रखना एक बड़ी समस्या के रूप में उभरकर सामने आया है। हालांकि इन दिनों अमेरिकी मीडिया के चलते अमेरिकी समाज में जागरूकता आई है और हथियार रखने के आसान कानून को दुरूह बनाने के पक्ष में जनमत तैयार हो रहा है, पर यह कहना मुश्किल है कि ऊंट किस करवट बैठेगा। सबसे खतरनाक और चिंता की बात यह है कि घातक हथियारों के शिकार सबसे ज्यादा बच्चे हो रहे हैं। अमेरिका विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तरक्की करके भले ही दुनिया का सबसे शक्तिशाली देशों में शुमार हो गया है लेकिन वास्तविक अर्थो में भीतर से डरा हुआ और कायर लोगों का समाज है। सभ्य, बहादुर और निर्भीक समाज अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों पर निर्भर नहीं रहता। डरा हुआ व्यक्ति न अपनी और न अपने देश की रक्षा कर सकता है। क्या अमेरिकी समाज इसी ओर अग्रसर है?

''जन लोकपाल कानून'

भ्रष्टाचार के मसले पर समाजसेवी अन्ना हजारे एक बार फिर हुंकार भरेंगे। भ्रष्ट व्यवस्था और गलत तरीके से अकूत धन जमा करने वालों पर नकेल डालने वाले ''जन लोकपाल कानून' नहीं बनाने को लेकर अन्ना बेहद व्यथित हैं। जिस पार्टी से उन्होंने बेहतरी की बेशुमार उम्मीदें पाल रखीं थीं, वैसा कुछ भी नहीं होने की टीस उनके बयान से महसूस की जा सकती है। राजघाट पर उन्होंने दुखी मन से कहा भी कि तीन साल पहले देशवासियों ने भाजपा को बहुत आशा और भरोसे के साथ वोट दिया था। लोगों को लगा था कि भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्ति होगी, किसानों की खुदकुशी रुक जाएगी, महिलाएं सुरक्षित होंगी वगैरह-वगैरह। मगर इन तीन सालों में इनमें से कोई भी काम नहीं हुआ। यानी हालात जस-के-तस ही हैं। अन्ना ने अपने आरोपों को धार देते हुए यहां तक कह दिया कि केंद्र सरकार लोकपाल को कमजोर कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनके पत्र का जवाब नहीं देने के आरोप भी लगाए। भ्रष्टाचार के मसले पर वह रालेगण सिद्धि में 7-8 अक्टूबर को रणनीति बनाएंगे। साल के अंत या नये वर्ष में आंदोलन शुरू कर सकते हैं। 2011 में जिस तरह भ्रष्टाचार को लेकर उन्होंने एक देशव्यापी लहर पैदा की थी, वैसा ही कुछ इस बार भी अन्ना का करने का इरादा है। दरअसल, मोदी जिस बात को अपनी सबसे अहम उपलब्धि के तौर पर गिनाते हैं और अपनी ताकत बताते हैं, अन्ना उसी पर आक्रामक हैं।

अन्ना ऐसा करके मोदी के भ्रष्टाचार की लड़ाई को सार्वजनिक करके एक तीर से दो निशाने साध रहे हैं।

एक तो वह उस शख्स पर सीधे तौर पर हमलावर हैं, जो भ्रष्टाचार, कालाधन की वापसी और ऐसे ही भावनात्मक मुद्दों के बल पर केंद्र की सत्ता पर काबिज हुआ, वही अन्ना दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ही इशारों-इशारों में यह बता देना चाह रहे हैं कि उनके निशाने पर वो भी हैं। क्योंकि उन्होंने भी बस लोकपाल के गठन के थोथे वादे ही किए, हकीकत में उनका आचरण भी मोदी सरीखा ही है। आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर निष्पक्ष तरीके से देखें तो प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे-सीधे भ्रष्टाचार के आरोप तो नहीं लगे हैं, किंतु भ्रष्ट तंत्र से उनकी लड़ाई उनके वादे और शख्सियत से उलट तो दिखती ही है। देखना है अन्ना मोदी को भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए किस हद तक मजबूर करते हैं?

सत्संग

एकाग्रता

सिर्फ बैठने का गुण अभी आपके अंदर न हो। एकाग्रता और फोकस लाने के लिए कोशिश मत कीजिए। यह कोई सुखद अनुभव नहीं है। बस उस काम से जुड़ जाइए। मसलन, जब आप सिनेमा देखते हैं, तो वह सिर्फ प्रकाश और ध्वनि का दो आयामी प्रदर्शन होता है। उसमें कोई महत्त्वपूर्ण चीज नहीं होती। लेकिन जब आप उसे देखते हैं, तो वह अनुभव बहुत विशाल हो जाता है। लोग अपने परिवार से अधिक रजनीकांत से प्यार करते हैं। उन्होंने कभी उसे नहीं देखा और वह उस तरह दिखता भी नहीं है, लेकिन सिर्फ जुड़ाव के कारण उनके लिए वह जीवन से बड़ा हो गया है। सिर्फ यह हुआ कि वे उसके सिनेमा से पूरी तरह जुड़ गए। वो कोई तीन आयामों वाला इंसान भी नहीं है, वो सिर्फ ध्वनि और प्रकाश का एक खेल है। पर लोग अपने जुड़ाव की वजह से उसे किसी भी चीज से ज्यादा प्रेम करने लगे। कोई चीज इसलिए शानदार नहीं बनती क्योंकि वह शानदार होती है। दुनिया में हर चीज शानदार है या कोई चीज शानदार नहीं है। जैसे कोई एक परमाणु को देखता है। वह एक बेकार से परमाणु को देखते हुए अपना पूरा जीवन गुजार देता है। मगर अपने जुड़ाव के कारण उसके लिए वह एक परमाणु बहुत शानदार हो जाता है। चारों ओर देखने के लिए इतना सारा जीवन है, लेकिन कोई व्यक्ति माइक्रोस्कोप से एक परमाणु या एक बैक्टीरिया को देखता है। उसके जुड़ाव के कारण बैक्टीरिया बहुत शानदार चीज हो जाता है। तो एकाग्र बनने की कोशिश मत कीजिए। फोकस पैदा करने की कोशिश मत करें। अगर आप अपने अंदर जुड़ाव ले आएं, तो कोई चीज आपके अनुभव में शानदार हो सकती है। फिर मुझे आपको बताना नहीं पड़ेगा ''इस पर ध्यान केंद्रित कीजिए।' तब समस्या यह होगी कि आपको उससे बाहर कैसे निकालें। दुर्भाग्यवश दुनिया लक्ष्य पर कुछ ज्यादा ही केंद्रित हो गई है। उन्हें आम चाहिए, मगर पेड़ पसंद नहीं हैं। यह तरीका काम नहीं करता। अगर आप पेड़ से जुड़ाव रखेंगे और उसे पोषण देंगे तो आम खुद-ब-खुद आपके ऊपर गिरेंगे। इसी तरह ध्यान और एकाग्रता जुड़ाव का नतीजा है। मगर लोग पेड़ के बिना फल पाने की कोशिश कर रहे हैं और इस कोशिश में पागल हो रहे हैं। जिस चीज से उनका जुड़ाव नहीं है, उस पर ध्यान केंद्रित करना उनकी जान ले रहा है।

''रेवेन्यू न्यूट्रिलिटी' की गणना

अर्थव्यवस्था में इस समय आई कमजोरी सिर्फ नोटबंदी और जीएसटी के कारण ही नहीं बल्कि विदेश व्यापार क्षेत्र की उपेक्षा के कारण भी है। सच पूछिए अगर नोटबंदी और जीएसटी के बाद भी व्यापार यथावत चलता रहता तो बहुत चिंता की बात होती। यह बिल्कुल ऐसा होता, जैसे हैजे के इंजेक्शन के लगने के बाद बुखार का न आना। किसी भी नकारात्मक स्थिति के होने के कारण के बारे में अगर आप जानते हैं तो वो उसका सकारात्मक पहलू होता है। यही बात वर्तमान आर्थिक वातावरण पर लागू होती है। वर्तमान में अर्थव्यवस्था की सुस्ती यह दर्शाती है कि दवा कारगर है। समानांतर टैक्स चोरी पर चलने वाले व्यवसायों पर चोट की गई है और उनमें आई सुस्ती से जो प्रभाव ग्रोथ पर पड़ा है, वो ही दृष्टिगोचर हो रहा है।

सतीश पेडणोकर

हालिया बयान में जीएसटी दरों की संख्या में कमी एवं अनुपालन नियमों में ढील देने के संकेत दिए हैं। चौतरफा हो रही आलोचना के दबाव में यह बात किसी जुमले से कम नजर नहीं आ रही क्योंकि इस वक्तव्य में शर्त यह है कि ऐसा तभी किया जाएगा, जब जीएसटी लागू होने से पूर्व हो रही आय को राज्यों एवं केंद्र द्वारा हासिल कर लिया जाएगा। पहले से ही दुरूह नियमों से पस्त व्यापारी वर्ग के लिए ये जुमला और भी भारी मुसीबत भरा है। किस फार्मूले के तहत ''रेवेन्यू न्यूट्रिलिटी' की गणना की जाएगी और क्या उसे सब राज्य मान लेंगे। यह बहुत अस्पष्ट है। सीधी सी बात यह है कि सिर्फ आशा की किरण दिखाई जा रही है। दूसरी तरफ अर्थव्यवस्था में इस समय आई कमजोरी सिर्फ नोटबंदी और जीएसटी के कारण ही नहीं बल्कि विदेश व्यापार क्षेत्र की उपेक्षा के कारण भी है।

सच पूछिए अगर नोटबंदी और जीएसटी के बाद भी व्यापार यथावत चलता रहता तो बहुत चिंता की बात होती। यह बिल्कुल ऐसा होता, जैसे हैजे के इंजेक्शन के लगने के बाद बुखार का न आना। किसी भी नकारात्मक स्थिति के होने के कारण के बारे में अगर आप जानते हैं तो वो उसका सकारात्मक पहलू होता है। यही बात वर्तमान आर्थिक वातावरण पर लागू होती है। वर्तमान में अर्थव्यवस्था की सुस्ती यह दर्शाती है कि दवा कारगर है। समानांतर टैक्स चोरी पर चलने वाले व्यवसायों पर चोट की गई है और उनमें आई सुस्ती से जो प्रभाव ग्रोथ पर पड़ा है, वो ही दृष्टिगोचर हो रहा है। कोई भी ऑपरेशन बिना कष्ट एवं कांट-छांट के नहीं हो सकता। इस तरह के आर्थिक निर्णयों में आर्थिक जोखिम के अलावा राजनैतिक जोखिम भी होता है। एक राजनेता अथवा सरकार के लिए ऐसा जोखिम बहुत घातक हो सकता है। सरकार की वर्तमान आलोचना उसी जोखिम की नैसर्गिक परिणिति है। मगर आलोचकों को सही विषय पर आलोचना करनी चाहिए सरकार की आलोचना इस बात की होनी चाहिए कि उसने निर्यात सेक्टर की उपेक्षा की। निर्यात की ओर समुचित ध्यान न दिया जाना अधिक चिंता का विषय है। आज हमारी निर्यात बढ़ोतरी दर मात्र 3 प्रतिशत है, जो 2003-2008 में लगभग 18 प्रतिशत थी। हमारी जीडीपी का 20 प्रतिशत हिस्सा निर्यात से आता है।

विश्व में किसी भी देश में 12 प्रतिशत से 15 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के बिना मजबूत विकास संभव नहीं हुआ है। हमारे यहां जो अर्थव्यवस्था में गिरावट है, उसके प्रमुख कारणों में निर्यात को बढ़ावा न देना और इस क्षेत्र पर समुचित ध्यान न देना भी है। निर्यात को बिल्कुल बेसहारा छोड़ देना सबसे बड़ी गलती है, जिसकी तरफकिसी का ध्यान नहीं जा रहा। रुपये में आई मजबूती का कारण विदेशी कर्ज की बढ़ी हुई सीमा है न कि निर्यात से कमाई गई विदेशी मुद्रा। पूर्व वित्त मंत्रियों द्वारा उठाए गए मुद्दे भी लचर हैं क्योंकि वो असली कारणों से भटके हुए मुद्दे हैं। ये तो कोई अपरिपक्व भी कह देगा; जीएसटी या नोटबंदी की वजह से मंदी है। मगर वो मंदी तो सच पूछिए पॉजिटिव बात है। निगेटिव बात यह है कि विदेश व्यापार की अवहेलना हुई है हमारे देश में। और आश्चर्य तो इस बात का है कि परफॉरमेंस को तरजीह देने वाली सरकार ने मंत्री महोदया को तरक्की दी, जो इस व्यापार वृद्धि के न होने के लिए सीधे सीधे उत्तरदायी थीं। बात यहीं समाप्त नहीं होती। बल्कि जीएसटी के क्रियान्वन में भी सबसे अधिक नुकसान विदेश व्यापार का ही हुआ है। नियम इस तरह के हैं कि निर्यातकों को वर्किंग कैपिटल में बहुत परेशानी झेलनी पड़ रही है। ये मुद्दा न यशवंत सिन्हा जी ने उठाना उचित समझा और न चिदंबरम जी ने। ऐसा इसलिए, क्योंकि इसमें कोई राजनैतिक फायदा नजर नहीं आता। फायदा जनता को सीधे प्रभावित करने वाले विषयों को उठाने में है, क्योंकि वो बड़ा वोट बैंक है। और इसलिए असली मुद्दे पीछे छूट गए हैं। मगर ये कोई नहीं सोचता कि एक लघु उद्योग मालिक का नुकसान सैकड़ों-हजारों गरीब कामगारों का नुकसान भी होता है। सरकार की इस दृष्टिभ्रम का कारण है विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और तेल के दामों में टैक्स जोड़ कर वितीय घाटे का नियंत्रण। हकीकत में ये दोनों बातें स्थाई नहीं हैं। अमेरिकी ब्याज दरें और तेल के दाम कभी भी इस आत्मविास को डिगा सकते हैं। वितीय घाटे के नियंतण्रमें होने के साथ साथ मुद्रास्फीति का भी कम रहना काफी राहत की बात है। मगर अर्थव्यवस्था को सुस्ती से उबारने के लिए सरकारी क्षेत्र में काफी तेजी से खर्चे बढ़ाने होंगे ताकि अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ सके। ऐसा करने से वित्तीय घाटे पर नियंतण्र कमजोर हो जाएगा। इस समय वित्तीय घाटा पिछले साल के 3.5 फीसद की तुलना में 3.2 फीसद रहने की उम्मीद है, जो कि 2014-15 में 4.1 फीसद था। लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण होगा तेल के दामों का रुख। मानसून कुल मिला के ठीक-ठाक रहा है। इस वर्ष विद्युत्त उपलब्धता बढ़ी है। विदेशी निवेश रिकॉर्ड स्तर पर है। सबसे बड़ी चिंता रोजगार को लेकर है और यहां वही बात फिर से दोहराते हुए मैं कहूंगा कि विदेश व्यापार को तरजीह नहीं दी गई। आयात-निर्यात छोटे एवं मध्यम उद्योगों को संजीवनी देता है। रुपये की मजबूती से निर्यात को नुकसान पहुंचा है, जिसकी भरपाई आवश्यक है। एक चिंता डब्ल्यूटीओ में दिए गए उस वादे को लेकर भी है, जो कहता है कि एक निश्चित प्रति व्यक्ति सतत आय के रहने पर कुछ ड्यूटी संबंधित एक्सपोर्ट रियायतें समाप्त करनी होंगी। इधर आर्थिक वार्तालापों में इस तरह की र्चचा का अभाव है कि निर्यात का लक्ष्य प्राप्त करना कितना दुष्कर है। और मार्च 2020 तक 900 बिलियन डॉलर हासिल कर पाना बहुत असंभव है। हस्त निर्मित वस्त्र, चमड़ा उद्योग, रत्न एवं आभूषण के निर्यात से रोजगार आता है। जीएसटी ने इनपुट क्रेडिट की समस्या को निर्यात क्षेत्र में अधिक बढ़ाया है। निर्यातोन्मुख आयात पर टैक्स देकर उसे वापस लेने में पहले के मुकाबले काफी अधिक समय लग रहा है।

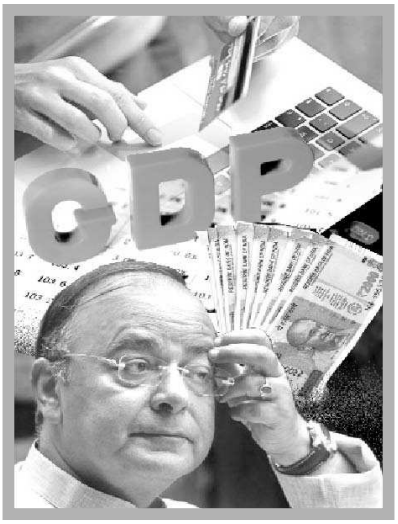

दूसरी तरफ निर्यात एक समयबद्ध प्रक्रिया है जीएसटी के तहत टैक्स वसूलने वाला यदि देरी से टैक्स जमा करता है तो निर्यातकों का इनपुट टैक्स क्रेडिट अटक जाता है। उम्मीद है आने वाले समय में सरकार इन कमियों का संज्ञान लेगी और जल्द ही सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

चलते चलते

श्रोताओं की श्रेष्ठता

कवि सम्मेलन तो वातावरण में शुद्धता और श्रोताओं की श्रेष्ठता से अच्छे हो जाते हैं। जिस स्थान पर यह हुआ वहां भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री रहा करते थे। उनकी अर्धांगिनी ललिता शास्त्री के देहावसान के बाद इस तुलनात्मक रूप से छोटे बंगले को उनका स्मारक भवन बना दिया गया। सब उनकी कहानी जानते हैं। गरीबी में स्वाभिमान के साथ सर्वोच्च कार्मिक पद पर कैसे रहा जाता है, वे इसके इकलौते उदाहरण थे। स्मारक में उनकी जीवन-शैली की झांकियां देखकर कोई भी कहेगा कि वे मात्र भारत रत्न नहीं, सर्वोच्च भारत रत्न थे। देखौ स्मारक में ?--अनेक छाया-चित्र, पत्र, सामान्य फर्नीचर वाला उनका कार्यालय, उनकी कार जो उन्होंने बैंक से लोन लेकर खरीदी थी। प्रधानमंत्री रहने के बावजूद जिसकी अंतिम दो हजार की किश्त वे चुका नहीं पाए थे।

गरीबी में स्वाभिमान के साथ सर्वोच्च कार्मिक पद पर कैसे रहा जाता है, वे इसके इकलौते उदाहरण थे। स्मारक में उनकी जीवन-शैली की झांकियां देखकर कोई भी कहेगा कि वे मात्र भारत रत्न नहीं, सर्वोच्च भारत रत्न थे। देखौ स्मारक में ?-- अनेक छाया-चित्र, पत्र, सामान्य फर्नीचर वाला उनका कार्यालय, उनकी कार जो उन्होंने बैंक से लोन लेकर खरीदी थी। प्रधानमंत्री रहने के बावजूद जिसकी अंतिम दो हजार की किश्त वे चुका नहीं पाए थे।

रसोई घर में एक मिट्टी का चूल्हा देखकर मैं रोमांचित हो उठा। उनके पुत्र अनिल शास्त्री ने बताया कि इस चूल्हे पर सत्तर के दशक तक रोटियां सिकती रही हैं। देश पर जब अन्न का संकट आया तो चूल्हा दिन में सिर्फ एक बार जलता था। किसी के आगे हाथ क्यों पसारें, एक वक्त भूखे रह लेंगे। अपना एक कवित्त सुनाऊं जो मुझे उस समय याद आ रहा था। -सुना, सुना! --रीतौ है कटोरा, थाल औंधौ परौ आंगन में, भाग में भगौना केऊ, रीतौ रहिबौ लिख्यौ।

सिल रूठी बटना ते, चटनी न पीसे कोऊ, चार हाथ ओखरी ते, दूर मूसला दिख्यौ! कोठे में कठउआ पड़ो, माकरी नै जालौ पुरौ, चूल्हे पै न पोता फिरौ, बेजुबान सिसकौ। कौने में बुहारी पड़ी, बेझरी बुखारी परी, जैसे कोऊ भूत, जिन्न, आय घर में टिकौ।''चचा, वे गरीब भारत के सच्चे-सहचर संवेदनशील और हृदय से हितैषी प्रधानमंत्री थे। बापू के अनुयायी थे, सत्य शांति और अहिंसा के घनघोर पक्षधर, लेकिन अपने चूल्हे से उगते हुए दिनकर को भी वह सुनते थे, ''क्षमा सोहती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो। उसको क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत सरल हो।' बहरहाल, इस चूल्हे को प्रणाम जो देश की सीमाओं के साथ दोनों देशों के गरीबों की चिंता करता था।

संकट में हैं जीवन दायिनी मां नर्मदा

आभा स्वामी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नमामि देवी नर्मदे सेवा यात्रा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की नर्मदा पद यात्रा शुरू हो चुकी है। नर्मदा के धार्मिक महत्व के इर्द-गिर्द राजनीतिक सक्रियता कई बार देखी जा चुकी है। इसके बावजूद जीवनदायिनी नदी का हाल बेहाल ही है। मां नर्मदा कब तक अविरल और निर्मल रहेंगी? क्या मां नर्मदा का हश्र भी गंगा और यमुना की तरह होगा? क्या 30 साल बाद नर्मदा का वजूद खत्म होने की वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सही साबित होगी अथवा पुराणों में लिखी वो बात ही सही है कि जब तक सृष्टि है तब तक मां नर्मदा अविरल और निर्मल रहेंगी? ऐसे सवालों ने नर्मदा भक्तों और पर्यावरण प्रेमियों को परेशान कर रखा है। सरकारी रिपोर्ट्स पर भरोसा किया जाए तो मप्र में अमरकंटक से लेकर बड़वानी तक नर्मदा जल की गुणवत्ता ए ग्रेड की है। पर मैदानी हकीकत कुछ और कहती है। रेत के अंधाधुंध खनन ने नर्मदा के पूरे पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित किया है। नर्मदा में रहने वाले सारे जीवजंतु खत्म होते जा रहे हैं। वृक्षों की कटाई और पहाड़ों के खनन से उन झरनों का अस्तित्व खत्म हो रहा है, जो नर्मदा के मुख्य जल स्रोत हैं। नर्मदा पर बने बांधों ने उसकी धारा को तोड़ दिया है। मौजूदा साल में बारिश कम हुई तो कई स्थानों पर न सिर्फ जल स्तर घटा, बल्कि पहली बार अविरल नर्मदा का प्रवाह कमजोर पड़ा है। संत महात्माओं की मानें तो यही हालात गंगा-यमुना में 25 साल पहले बने थे। वनस्पतियों में समुद्री, जलीय और स्थलीय वनस्पतियां, पुष्परहित पौधे झाड़ी से लेकर गगनचुंभी अनावृतबीजी, शंकुधारी वृक्षों के जीवाश्म हैं। जंतुओं में समुद्री सीप, शंख, जमीनी कीड़े-मकोड़ों से लेकर अनेक वन्यप्राणियों समेत डायनासोरों के जीवाश्म भी यहां मिले हैं। नर्मदा में आज भी जैवविविधता के प्रमाण मिलते हैं। महाशीर की संख्या घटी : शुद्ध जल की पहचान मानी जाने वाली महाशीर मछली धीरे-धीरे नर्मदा नदी में घटती जा रही है। 15 साल पहले ये 25 से 30 फीसदी थी, जो अब 2 से 3 फीसदी बची हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि जल्द ही जल की गुणवत्ता व प्रदूषण पर रोक नहीं लगी तो महाशीर नर्मदा से विलुप्त हो जाएगी। ताजी रिपोर्ट के मुताबिक मछलियों की प्रजाति 136 से घटकर 106 हो गई है। घट रही ऑक्सीजन की मात्रा : वैज्ञानिकों का मानना है कि नदी के जीवन में प्रजातियां उसके पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित रखने में मुख्य घटक होती हैं। मछलियों की प्रजातियां कम होने से नदी में यूट्रोफिकेशन लगातार बढ़ रहा है। इससे नदी में ऑक्सीजन की मात्रा घट रही है। ऑक्सीजन की कमी से जीवाश्म पर भी खतरा बढ़ रहा है। सरकार सिर्फ खानापूर्ति में व्यस्त: सरकार के स्तर पर देखा जाए तो नर्मदा के संरक्षण के सारे दावे अब तक जमीनी हकीकत में तब्दील नहीं हो पाए हैं। मामला चाहे नर्मदांचल से रेत के खनन पर पूर्ण प्रतिबंध का हो या नर्मदा में मिलने वाले सीवेज के गंदे नालों का, सभी घोषणाएं आमतौर पर कागजों से बाहर नहीं निकल पाई हैं। मुख्यमंत्री की 'नमामि देवी नर्मदे यात्रा से नदी के आसपास जागरूकता आई है। पर बड़े स्तर पर नर्मदा में काम करने के लिए जो नर्मदा मिशन बनाया गया है, सरकार ने जो कार्ययोजना बनाई है, उस पर कोई काम शुरू नहीं हो पाया है। सरकार के स्तर पर 2 जुलाई को 6 करोड़ पौधे रोपने का जो लक्ष्य रखा था, उसके परिणाम जरूर नर्मदा की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं, बशर्ते कि पौधे ज्यादा संख्या में जीवित रहें।

मुद्दा

अधिकारों की रक्षा

न्यालय का नाम सुनते ही न्याय के मंदिर का स्मरण होता है। आज भी लोग विवाद के दौरान सामने वाले को अदालत में देख लेने की धमकी दे डालते हैं। इससे जाहिर होता है कि लोगों की अदालतों में चरम आस्था है। यहां तक कि सरकार के खिलाफ भी कोई फरियाद करनी हो तो वे अदालत की शरण लेने से नहीं चूकते। और यह इसलिए है कि न्यायपालिका लोगों के अधिकारों की रक्षा करती है। चूंकि पहले-पहल किसी भी मामले को घरेलू या फिर सबसे निचली अदालत में दर्ज किया जाता है और अगर पार्टियां अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं होती हैं तो वे संविधान के अनुच्छेद 32 और 132 के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के दरवाजे खटखटाते हैं। मगर ऊपरी अदालतों के पास हजारों मामले पहले से ही होते हैं, जिन्हें सुलझाने में ही उन्हें काफी वक्त लग जाता है। परंतु सुप्रीम कोर्ट का हाल में जारी आंकड़ा थोड़ी खुशी भी देता है तो थोड़ा निराश भी करता है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले तीन साल में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित मामलों में कमी आई है। जहां सुप्रीम कोर्ट में 2014 में 62,791 मामले लंबित थे, वहीं 2017 में ये घटकर 58,438 हो गए। वहीं हाईकोर्ट में 2014 में जहां 41.52 लाख मामले लंबित थे, उनकी संख्या घट कर 2016 में 40.15 लाख हो गई है। जहां ऊपरी अदालत में मामले कम हुए हैं वहीं निचली अदालतों में लंबित केस कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। 2014 में जहां इनकी संख्या 2.64 करोड़ थी, वह 2017 में बढ़ कर 2.74 करोड़ हो गई है। इसकी एक वजह निश्चित तौर पर न्यायाधीशों की कमी है। 1 सितम्बर 2017 तक उच्च न्यायालय में जहां 413 जजों की कमी थी, वहीं निचली अदालतों में 4,937 जजों की जगह खाली है। न्यायालयों में खास तौर पर निचली अदालतों में जजों के पद अगर जल्द नहीं भरे गए तो फाइलों की तह बढ़ती जाएगी। न्यायपालिका का इकबाल बनाए रखने के वास्ते सरकार व न्यायपालिका को मजबूत कदम उठाना ही होगा।

सिर्फ जजों की संख्या बढ़ा देने से ही इस समस्या का समाधान नहीं निकलेगा। अगर जजों की कमी को पूरा भी कर दिया गया तो मामले जल्दी सुलझाने के चक्कर में हो सकता है पीड़ितों को पूरी तरह न्याय नहीं मिल पाए। इसी साल फरवरी माह में लोक अदालत बिठाई गई थी, उसमें पूरे देश के 9,34,180 मामले एक साथ सुलझाए गए। अब अगर एक ही दिन के अंतराल में लाखों मामले सुलझाए जाएंगे तो कितनों के साथ न्याय हुआ होगा, यह सोचने वाली बात है! ऊपरी अदालत में लंबित मामलों में कमी की एक वजह नियमित रूप से सुनवाई हो सकती है। मगर निचली अदालतों में केस बढ़ोतरी के कई कारण हो सकते हैं। उनमें से एक वजह लोगों में कानून और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता भी है। इसकी दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि बढ़ते मामलों के मुताबिक अदालतों में जजों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही है। ऊपरी अदालतों के मुकाबले निचली अदालतों में जजों की कमी लाखों में है। ज्यादातर लंबित मामलों में एक पक्ष सरकार है। एक विभाग ने दूसरे विभाग के खिलाफ मामला दर्ज कराया है, लिहाजा पेंडिंग मामले बढ़ते ही जाते हैं।

वहीं, पुराने कानून जो किताबों में दोषपूर्ण या अस्पष्ट रूप से दर्ज हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिकता नहीं है। और अदालतों ने विभिन्न तरीके से उनकी व्याखाएं समय-समय पर कीं हैं, वे बेवजह की मुकदमेबाजी का कारण हैं। जजों की संख्या बढ़ाई जाए और नये कोर्ट-फर्स्ट ट्रैक कोर्ट, लोक अदालत और ग्राम न्यायालयों को स्थापित किया जाए, नये पद सृजित किए जाएं, कोर्ट मैनेजर, अदालत की सुनवाई नियमित कर दी जाए तो लंबित मामलों में कमी आ सकती है। अंग्रेजी में कहावत है कि ''जस्टिस डिलेड इस जस्टिस डिनाइड' और ''जस्टिस हरीड इज जस्टिस बरीड'। लंबित मामलों की सुनवाई होनी चाहिए किंतु दोनों पक्षों को न्याय देने के इरादे से न की सिर्फ मामले को खत्म करने के इरादे से।

अमेठी दौराः राहुल बोले, 6 महीने में सुलझा देंगे किसान-रोजगार के मुद्दे

अमेठी। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगर किसान और रोजगार जैसे दो बड़े मुद्दों का समाधान नहीं कर सकते तो कह दें, हम ये काम छह महीने में करके दिखा देंगे।

राहुल अपने निवार्चन क्षेत्र अमेठी के तीन दिवसीय दौरे पर आये हैं। उन्होंने जगदीशपुर के कठौरा गांव में चौपाल लगाई। राहुल ने कहा, मोदी जी को देश का समय जाया (बर्बाद) करना बंद करना चाहिए और देश के युवाओं को रोजगार देना शुरू करना चाहिए।

उन्होंने कहा, हिन्दुस्तान में दो मुद्दे हैं किसान का मुद्दा और रोजगार का। मोदी जी (इनका समाधान) नहीं कर सकते तो कह दें कि वह नहीं कर सकते हैं और कांग्रेस आ जाए, वो मेरा काम कर दे। हम वहीं काम छह महीने में करके दिखायेंगे। राहुल गांधी ने भाजपा पर अमेठी में फूड पार्क और ऐसी ही अन्य योजनाओं की अनदेखी करने का आरोप मढ़ते हुए कहा, बहुत दुख हुआ कि अमेठी के लोगों को भाजपा ने चोट पहुंचायी है, ये गलत है। इनकी (भाजपा की) सोच ही ऐसी है। मगर हम आपके (अमेठी की जनता) लिए लड़ेगे। कांग्रेस उपाध्यक्ष ने मोदी सरकार की मेक इन इंडिया एवं स्टार्ट अप जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक मेक इन इंडिया, मेक इन अमेठी और मेक इन उत्तर प्रदेश नहीं करेंगे, तब तक ये देश आगे नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को लग रहा है कि वे देश के लिए काम करना चाहते हैं लेकिन मौका नहीं मिल रहा है।

सीएम के जिले में डूबी नाव, बुआ-भतीजी समेत चार डूबे

गोरखपुर। गोरखनाथ क्षेत्र स्थित रामपुर नया गांव के समीप रोहिन नदी में बुधवार की सुबह नाव डूब जाने से उस पर सवार बुआ-भतीजी समेत चार महिलाएं डूब गईं। नाविक, दो युवतियां और एक महिला जैसे-तैसे बाहर निकल गई। डूबे लोगों की तलाश में एनडीआरएफ की टीम नदी का पानी छान रही है। देर शाम तक किसी का भी पता नहीं चल सका था। रामपुर नया गांव निवासी दीपचंद की 10 वर्षीया बेटी प्रीति, राजू की 15 वर्षीया बेटी रबीना और 18 वर्षीया बहन बेबी, मनोज की 35 वर्षीया पत्नी निशा, शत्रुघ्न की 20 वर्षीया बेटी उषा, स्व. वींदर की विधवा बेटी अविता तथा स्व. प्रकाश की 18 वर्षीया बेटी तारा बुधवार की सुबह रोहिन नदी को पार कर बबूल की लकड़ियां काटने जा रही थीं।

बोला था कि दो बार में बैठेंगे नाव पर, लेकिन मुन्नू ने किया जिद

ये सभी तकरीबन 10 बजे बलुआ घाट पर पहुंचीं जहां उनके गांव का ही मुन्नू नदी के किनारे नाव लगाए खड़ा था। उसने अविता और उसके साथ की लड़कियों को नाव पर बैठा लिया। लड़कियों ने नाव छोटी और सवारों की संख्या अधिक होने की बात कही लेकिन मुन्नू ने उनकी बात अनसुनी कर दी। मुन्नू नाव लेकर रोहिन नदी के बीच में पहुंचा। तेज बहाव की वजह से नाव डगमगाने लगी। उस पर सवार महिलाएं और लड़कियां घबरा गईं। नाव पलटती देख नाविक मुन्नू नदी में कूद गया। नाव पर सवार प्रीति, रवीना व उसकी बुआ बेबी तथा निशा नदी में डूब गईं। तारा किसी तरह तैरकर नदी से बाहर निकल गई। नाविक ने अविता और उषा को किनारे की तरफ कर दिया और फिर नदी पार कर दूसरे किनारे चला गया और फरार हो गया। उषा, अविता और तारा के शोर मचाने पर गांव के लोग दौड़कर पहुंचे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी बलुआ घाट पर पहुंच गए।

आर एनडीआरएफ की टीम पहुंची

एनडीआरएफ की टीम बुलाई गई। एनडीआरएफ टीम और गांव के मछुआरों ने डूबी लड़कियों और महिलाओं की तलाश में नदी का पानी छानना शुरू कर दिया। देर शाम तक वे नदी में डूबे लोगों की तलाश करते रहे लेकिन किसी का पता नहीं चल सका।

उषा और अविता की हालत बिगड़ी

उषा और अविता नदी से बाहर निकलीं तो उनकी हालत बिगड़ गई। दोनों ने पानी पी लिया था। ग्रामीणों ने पास के ही एक चिकित्सक से प्राथमिक इलाज कराने के बाद उन्हें जिला अस्पताल पहुंचा दिया। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने दवा देने के बाद हालत ठीक बताकर उन्हें घर भेज दिया। घर पहुंचने के कुछ ही देर बाद दोनों की हालत दुबारा बिगड़ गई। परिवारीजनों ने 100 और 108 नम्बर पर डायल किया लेकिन एम्बुलेंस नहीं पहुंची। एक युवक ने उषा को बाइक पर बैठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। अविता को काफी देर बाद अस्पताल ले जाया जा सका। अविता विधवा है और अपने दो बच्चों के साथ पिता स्व. वींदर के घर पर ही रहती है।

300 घरों में सोलर पैनल और एलईडी का निरीक्षण करेंगे सचिन तेंदुलकर

बाराबंकी। क्रिकेट के महानायक और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर आज उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में मसौली क्षेत्र के बड़ागांव में लगाये गये सोलर पैनल और एलईडी का निरीक्षण करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने आज यहां बताया कि मसौली इलाके के बड़ागांव में एक निजी संस्था ने तीन सौ घरों में सोलर पैनल और एलईडी लगाये हैं। सचिन तेंदुलकर इसका निरीक्षण करेंगे। इस बीच वह जनता से भी रूबरू होंगे।

तेंदुलकर के दौरे को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। उनकी सुरक्षा में चार क्षेत्राधिकारी तथा 125 कांस्टेबलों की तैनाती की गयी है।

क्रिकेट के महानायक तीन बजे करीब लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां से वे सड़क मार्ग से बाराबंकी जाएंगे। बड़ागांव में बुनकरों की संख्या काफी है। वह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस दौरान वे बुनकरों को बिजली कनेक्शन और सोलर लाइट भी वितरित करेंगे।

आगरा में सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी जारी, मुलायम आज आएंगे

आगरा। समाजवादी पार्टी की बहुप्रतीक्षति राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुधवार की शाम करीब 5 बजे आगरा में शुरू हुई। होटल रैडिसन ब्लू में चल रही इस बैठक में पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव पहुंचे। पार्टी के सचेतक मुलायम सिंह यादव ने बैठक में कल शामिल होने की बात कही है। वहीं आजम खां बैठक में नहीं पहुंचे।

बैठक शाम चार बजे शुरू होनी थी, लेकिन व्यवस्थाओं और पदाधिकारियों के देरी से आने के चलते इसमें विलंब हुआ। कार्यकारिणी के दौरान मीडिया को दूर ही रखा गया। बैठक में जया बच्चन, किरणमय नंदा, नरेश अग्रवाल, रामजीलाल सुमन, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, रेवती रमण सिंह, अहमद हसन आदि पहुंच गए थे। बैठक के दौरान अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकारिणी पर मुहर लगेगी। इसमें प्रो. रामगोपाल को निर्वाचन अधिकारी होंगे।

निगाहें मुलायम पर, दिल में अखिलेश

आगरा। सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जहां लोगों की निगाहें मुलायम सिंह यादव को तलाश रही थीं, वहीं उनके दिलों में अखिलेश यादव थे। उनका कहना था कि मुलायम इसमें पहले ही दिन आते तो बेहतर रहता। हालांकि मुलायम सिंह यादव के बैठक में गुरुवार को शामिल होने की सूचना है।

डिंपल बैठक के बजाय होटल गईं

आगरा। पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी और कन्नौज से सांसद डिंपल यादव बैठक का हिस्सा नहीं बनीं। वे बच्चों के साथ होटल में ही ठहरीं।

युवा नेताओं को दी तरजीह

आगरा। बैठक में युवा चेहरे काफी देखे गए। मतलब साफ है कि युवा चेहरों को तरजीह दी जा रही है। बैठक में नितिन अग्रवाल, सुनील साजन, अभिषेक मिश्र, सांसद नीरज शेखर आदि भी पहुंचे।

मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे आगरा कासगंज रूट प्रभावित

आगरा। आगरा के अछनेरा स्टेशन से होते हुए बुधवार सुबह मथुरा की तरफ आ रही मालगाड़ी के तीन डब्बे धौली प्याऊ के निकट गेट नम्बर 358 पर पटरी से उतर गए।इससे आगरा कासगंज मार्ग अवरुद्ध हो गया। कोटा की ओर से आने वाली गाड़ियों का रूट डायवर्ट किया गया है।सुबह तड़के हुयी इस घटना से रेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।एडीआरएम समेत तमाम रेल अधिकारी मौके पर पहुंच गए है। मौके पर रेल की पटरी टूटी हुई मिली है। राजस्थान के बनास से लखनऊ के मोहनलालगंज सीमेंट लेकर जा रही मालगाड़ी के 3 डिब्बे सुबह 6:30 बजे पटरी से उतर गए । उतरे डिब्बो ने मथुरा अछनेरा सेक्शन पर धौली प्याऊ गेट नंबर 358 के पास 100 से अधिक स्लीपर और पटरी तोड़ दी। मथुरा-अछनेरा सेक्शन बंद हो गया । सुबह के समय इस रूट पर चलने वाली चार पैसेंजर ट्रेनें नहीं आ सकी। सुबह सवा 8:00 बजे आगरा से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन आई और पटरी काटकर लाइन सही करने, सीमेंट को खाली करने का काम शुरू हो सका। आगरा से परिचालन प्रबंधक रेलवे इंजीनियर व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। मालगाड़ी के 10,11 और 12 नम्बर के तीन डब्बे पटरी से उतर गए।तेज आवाज के साथ पटरी से उतरे डब्बे आपस मे लड़ कर पिचक गए हैं। एडीआरएम डीके सिंह समेत रेलवे के आला अधिकारी पहुंच गए हैं।

बिहार

महायज्ञ में पहुंचे 10 लाख श्रद्धालु, आरा में आस्था का जनसैलाब

आरा। श्री भाष्कर रामानुजाचार्य सहस्त्राब्दी जयंती महोत्सव सह 1008 श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच गए हैं। पूरे दिन पूजा-पाठ व हवन का कार्यक्रम चलता रहा। मुख्य यज्ञमंडप सहित सभी 1043 मंडपों में पीले रंग के परिधान में यजमान पूजा में लीन दिख रहे हैं। वहीं 11 हजार वैदिक विद्वान भी मंत्रोच्चार व पूजा कराने में जुटे रहे। दक्षणि भारत के संतों के लिए बनाये गये मंडप में भी मंत्रोच्चार व पूजा-पाठ चलता रहा। इससे पूरी यज्ञनगरी वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चार से गूंजती रही।

पूरा इलाका भक्तिमय हो गया है। वहीं महायज्ञ को ले श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है। यज्ञमंडप की परिक्रमा करने व प्रवचन सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सुबह तीन बजे से पहले ही परिक्रमा प्रारंभ हो जा रही है। इसके लिए पूरी रात श्रद्धालुओं का आना-लगा रहता है। परिक्रमा करने वालों में महिला व बच्चों की संख्या अधिक रही। श्रद्धालुओं में भक्ति उफान मार रही है। प्रवचन सुनने व प्रसाद ग्रहण करने के लिए भी श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

धर्म सम्मेलन में लगेगा संतों का महाकुंभ : आरा की यज्ञनगरी चंदवा की धरती बुधवार को अखिल भारतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन की गवाह बनेगी। इस दौरान यज्ञनगरी में संतों का महाकुंभ लगेगा, जिसमें देश-विदेश के 11 सौ संत व धर्माचार्य शिरकत करेंगे। इस अवसर पर यज्ञनगरी से धर्म की गंगा बहेगी।

चातुर्मास महायज्ञ में आने वाले श्रद्धालु मंगलवार को पानी के लिए काफी परेशान रहे। श्रद्धालुओं को यज्ञस्थल पर पानी की बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ी। स्थिति ऐसी थी कि पानी की गाड़ी आते ही श्रद्धालु टूट पड़े। देखते ही देखते ही हजारों बोतल पानी बिक गया। हालांकि यज्ञ समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था तो की गयी है, पर वह नाकाफी साबित हो रही है। मंगलवार को यज्ञस्थल पर यज्ञ समिति की ओर से उपलब्ध करायी गयी पानी की महज तीन टंकी ही नजर आयी। आरा। ब्रह्मपुर के रहने वाले चंदन जी, जहां कहीं हों अगर मेरी आवाज सुनाई दे रही हो, तो कृपया पूछताछ काउंटर पर आ जाइये। आपकी मां आपका बेसब्री से इंतजार रही हैं। यज्ञनगरी चंदवा में मंगलवार को माइक से बार-बार यह एनाउंस किया जा रहा था। इस तरह का एनांउस लगातार किया जा रहा था। कभी चंदन जी, तो कभी आशा देवी तो कभी गुड़िया देवी। सभी अपने परिजनों से दूर हो गये थे। ऐसे में वे अपने परिजनों को खोजने के लिए पूछताछ काउंटर पर पहुंच रहे थे। बता दें कि यज्ञस्थल पर इतनी भीड़ है कि हाथ छूटा नहीं कि लोग खो जा रहे हैं। इसके लिए पूछताछ काउंटर बनाया गया है, जहां लोग मेले में खो जाने वाले लोगों के बारे में माइक से एनाउंस किया जा रहा है। इसकी दूसरी बानगी भी देखने को मिली। करहगर के रहने वाले सोहन प्रसाद की पत्नी व मां भीड़ में चली गयी थी। सोहन बार-बार पत्नी के मोबाइल पर कॉल कर रहे थे, पर भीड़ के कारण उनकी बात नहीं हो पा रही थी।

श्रीनगर आतंकी हमले में देश पर कुर्बान हुए भागलपुर के लाल

भागलपुर। श्रीनगर में मंगलवार सुबह हुए आतंकी हमले में पीरपैंती के कमलचक निवासी एएसआई ब्रज किशोर यादव शहीद हो गये। बुधवार की सुबह शव को पैतृक गांव लाया जाएगा। एसएसपी मनोज कुमार ने पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लाइट से शव मंगलवार की रात पटना पहुंचेगा। वहां से बुधवार की सुबह पैतृक गांव कमलचक लाया जाएगा। बीएसएफ और बिहार पुलिस के जवान सलामी देंगे। कहलगांव डीएसपी को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है।

ब्रज किशोर मंगलवार को आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गए। शहीद होने की सूचना मिलने ही गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। स्व. दयाल यादव के छह पुत्रों में से एक ब्रजकिशोर देशभक्त हिम्मती एवं मिलनसार प्रवृति के व्यक्ति थे। परिजनों ने बताया कि ब्रजकिशोर 1987 में मुजफ्फरपुर में बीएसएफ की नौकरी ज्वाइन की थी।

दो-तीन वर्ष पूर्व से बांजीपूरा कश्मीर में एयरपोर्ट पर ड्यूटी में तैनात थे। ब्रजकिशोर को पत्नी रिपी देवी (जो पीरपैंती के ही डोमन खुटहरी गांव के देवेंद्र प्रसाद यादव की पुत्री हैं) के अलावा एक पुत्र और दो पुत्री है। पुत्र अभिषेक किशोर उर्फ बंटी (24) बंगलोर में डिप्लोमा कर रहा है। पुत्री संध्या की शादी मुंगेर में हुई है, छोटी पुत्री सुषमा मां के साथ साहेबगंज में रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही है। परिजनों ने बताया कि वे साहेबगंज में ही घर बनाकर पिछले आठ-दस साल से रह रहे थे।

शहीद के पिता दयाल यादव और मां तिलेश्वरी देवी का निधन हो चुका है। बड़े भाई श्रीनिवास यादव रिटायर दरोगा हैं। दूसरे भाई राम लखन यादव का निधन हो चुका है। एक अन्य भाई स्वगीय रत्नेश यादव बिहार पुलिस में सिपाही थे। चौथे भाई श्रीचंद यादव रेलवे में जमालपुर में कार्यरत हैं। एक भाई राजकिशोर यादव बीएसएफ में त्रिपुरा में कार्यरत हैं।

किसान परिवार में जन्मे शहीद ब्रजकिशोर में शुरू से ही देशभक्त थे। परिजनो ने बताया कि उनके शहादत की सूचना सबेरे उनके दोस्त ने कश्मीर से फ़ोन कर साहेबगंज में दी। बड़े भाई श्रीनिवास यादव ने कहा की भाई ने देश के लिए शहादत दी है। उनकी वीरता पर गर्व है। भगवान ऐसा वीर पुत्र सभी को दे। घटना की सूचना मिलते ही प्रखण्ड राजद अध्यक्ष रंमेश रमण गोपीचंद यादव पूर्व मुखिया राजेन्द्र यादव जदयू नेता फनिकांत चन्दन सिन्हा युगेश यादव केदार यादव आदि सहित काफी संख्या में लोग पहुंचे। घर पर लोगों की भीड़ जमा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल का किया स्वागत

पटना। बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल सत्यपाल मलिक का पटना आने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। मंगलवार की अपराह्न सवा चार बजे श्री मलिक जेट एयरवेज की फ्लाइट से लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे।पटना हवाई अड्डे पर स्टेट हैंगर में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इसके बाद वहां अपने पूरे मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ मौजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पुष्प गुच्छ देकर श्री मलिक का स्वागत किया। विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद के प्रभारी सभापति हारुण रशीद और उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने भी पुष्पगुच्छ देकर सत्यपाल मलिक का स्वागत किया। फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वागत को कतारबद्ध अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों से राज्यपाल का परिचय कराया। मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह, डीजीपी पीके ठाकुर समेत वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों ने भी गुलदस्ता देकर श्री मलिक का अभिवादन किया।

रास न आया किशोरी का प्रेम-प्रसंग तो परिजनों ने चलती ट्रेन से फेंका

बड़हिया (लखीसराय)। लड़की का गांव के ही अन्य जाति के लड़के से प्रेम संबंध घरवालों को रास नहीं आया तो 15 वर्षीय किशोरी को चलती ट्रेन से फेंक दिया। मंगलवार सुबह नौ बजे की दिल दहला देने वाली यह घटना बड़हिया रेल थाना क्षेत्र के डुमरी हॉल्ट के पास की है।

सूचना मिलने पर बड़हिया जीआरपी ने आनन-फानन में किशोरी को लखीसराय सदर अस्पताल लाया, जहां उसका इलाज किया गया।

इस घटना में किशोरी का बायां पैर बुरी तरह फ्रैक्चर हो गया है। पुलिस को किऊल-पटना रेलखंड पर डुमरी हॉल्ट से एक किलोमीटर पूर्व की ओर किशोरी घायल अवस्था में मिली थी।

फिलहाल रेल पुलिस आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी में है। बड़हिया जीआरपी प्रभारी ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि किशोरी नवादा जिला के पकड़ी वरमा थाना के गांव निवासी है। गांव के ही अन्य जाति के लड़के से उसका प्रेम संबंध चल रहा था। इसी बात पर घरवालों को आपत्ति थी।

बताया गया कि शादी करा देने की बात कहकर चाचा और फूफा ने लड़की से धनबाद चलने की बात कही। रास्ते में उनलोगों ने उसे ट्रेन से धक्का दे दिया। जीआरपी प्रभारी ने कहा कि मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बांस के पोल को तत्काल हटाए फ्रेंचाइजी कंपनी : सांसद

भागलपुर। शहरी क्षेत्र में बांस पर दौड़ रही बिजली पर सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने नाराजगी जताई। फ्रेंचाइजी कंपनी के अधिकारियों के साथ मंगलवार को हुई बैठक में सांसद ने कहा कि तत्काल बांस को हटाकर सीमेंट का पोल लगाएं। बांस के चलते लोगों की जिन्दगी पर खतरा बना हुआ है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांसद ने बताया कि फ्रेंचाइजी के अधिकारियों ने पहले चरण में वैसे स्थानों से बांस की जगह पोल गाड़ने का आश्वासन दिया है जहां बांस की संख्या दो या तीन है। इससे अधिक बांस वाले क्षेत्रों में ग्रामीण विद्युतीकरण के समय बदलने की बात कही गयी है।

गुजरात के बड़े व्यवसायी डेढ़ माह पहले किए गए थे अगवा, आरा से बरामद

आरा। गुजरात के अगवा बड़े व्यवसायी को आरा से बरामद कर लिया गया है। व्यवसायी की बरामदगी शहर के टाउन थाना क्षेत्र से की गयी है।

बरामद व्यवसायी मानस रंजन बताये जा रहे हैं।

हालांकि जिले के आला पुलिस अधिकारी इस मामले में किसी तरह की जानकारी होने से इनकार कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार मानस रंजन का देश के कई राज्यों में बिजनेस फैला है। वे करीब डेढ़ माह पहले बिजनेस के सिलसिले में बिहार आये थे, तभी से वे गायब थे। इसकी सूचना पर डीआईयू टीम द्वारा टाउन थाने के इलाके से उन्हें बरामद कर लिया गया। शुरुआती दौर में कोईलवर इलाके से व्यवसायी की बरामदगी की सूचना थी। ऐसे में खबर की सत्यता के लिए कोईलवर थाने के मोबाइल की घंटियां घनघनाने लगी। इससे कोईलवर पुलिस घंटों हलकान रही। बाद में पता चला कि नगर थाना क्षेत्र से डीआईयू टीम द्वारा किसी को बरामद किया गया है।

सांसद सी.आर. पाटील के नेतृत्व में राजस्व सचिव से मिला कपड़ा व्यापारियों का प्रतिनिधि मंडल

सूरत। कपड़े पर जीएसटी लागू होने के बाद कपड़ा उद्योग पर हुए बुरे प्रभाव सहित विविध मुद्दों को लेकर सांसद सी.आर. पाटील के नेतृत्व में साउथ गुजरात टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में राजस्व सचिव से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने राजस्व सचिव हसमुख आढिया से मुलाकात कर कपड़ा उद्योग से जुड़े विविध समस्याओं की जानकारी दी। जीएसटी लागू होने के बाद कपड़ा उद्योग में आई मुश्किलों तथा बनी असमंजस की स्थिति से अवगत कराया। इससे पहले भी सांसद सी.आर. पाटील के नेतृत्व गुजरात भाजपा के कार्यकर्ताओं ने गुजरात दौरे पर आए केंद्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली से मुलाकात कर जीएसटी पर चर्चा की थी। जिस पर वित्त मंत्री ने इस पर पुनर्विचार किए जाने का अश्वासन दिया था। बुधवार को राजस्व सचिव से हुई मुलाकात से कपड़ा व्यापरियों को जीएसटी की प्रक्रिया के सरल होने की काफी उम्मीद है। गुजरात में होनेवाले विधान सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कपड़ा व्यापरियों को इस मुलाकात से काफी उम्मीद बंधी है। कपड़े पर जीएसटीलागू होने के बाद कपड़ा उद्योग पर आए संकट से अवगत कराते हुए प्रतिनिधि मंडल ने जीएसटी की रिटर्न मासिक की जगह त्रिमासिक रिटर्न फाइल करने की मांग की। सांसद सी.आर पाटील ने बताया कि कपड़ा व्यापारियों के अनेक मांगों को लेकर राजस्व सचिव के साथ हुई मुलाकात का सकरात्मक प्रत्युत्तर मिला है। जिस आशा के साथ कपड़ा व्यारियों का प्रतिनिधि मंडल गया था उससे आशा की एक नई किरण जगी है।

कापोद्रा में दो घर से मोबाइल फोन चोरी

सूरत। कापोद्रा कमलपार्क सोसायटी में एक साथ दो घरों को निशाना बनाते हुये तस्करो ने 23,000 रुपये के दो मोबाइल फोन की चोरी की। पुलिस सूत्रों के अनुसार मूलत: बोटाद के गढडा तहसील के निवासी और फिलहाल कापोद्रा कमलपार्क सोसायटी में रहनेवाले निकुंजभाई घेवरिया और पडोश में रहनेवाले रवि धीरुभाई घेवरिया के घर में सोमवार रात प्रवेशित हुये अज्ञात तस्कर 23,000 रुपये का ब्लेक बेरी और वीवो वी पाईव प्लस मोबाइल फोन की चोरी कर फरार हो गये। मंगलवार सुबह दोनों युवको को चोरी की जानकारी होने पर उन्होंने कापोद्रा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शरद पूर्णिमा आज होगे कई कार्यक्रम

सूरत। सूरत शहर सहित सम्पूर्ण भारत में गुरुवार को शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा व भक्ति से मनाया जाएगा। इस अवसर पर नगर मे कई कार्यकमो का आयोजन किया जाएगा। शहर के रिंग रोड़ स्थित श्री सोमोलाई हनुमान मंदिर में इस अवसर पर निशान पदयात्रा निकाली जाएगी। सायं काल भजन संध्या का आयोजन होगा। कार्यक्रम के दौरान चांद की रोशनी में खीर का प्रसाद रखा जाएगा, जिसे आधी रात को भक्तों में वितरित किया जाएगा। वहीं मंदिरो मे विभिन्न धार्मिक कार्यकम होगे। श्री सालासर हनुमान सेवा समिति की ओर से श्री सालासर हनुमान मंदिर जलवर्त टाऊनशिप में भजन संध्या एवं खीर प्रसादी का आयोजन होगा। शरद पूर्णिमा पर उधना रोड स्थित खरवर नगर के शनि हनुमान मंदिर में विशेष पूजन अर्चन एवं भजन संध्या का आयोजन होगा। शहर के पाल हजीरा रोड स्थित अटल आश्रम के पारदेरेश्वर मंदिर में शरद पूर्णिमा पर विशेष भजन संध्या का आयोजन होगा। चांदनी रात में खीर का प्रसाद रखा जाएगा, जिन्हे अर्धरात्रि के बाद भक्तों में वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार कतारगांव स्थित पौराणिक कांतारेश्वर महादेव मंदिर, उमरा स्थित सिद्धनाथ महादेव मंदिर , अठवालाईस स्थित कामनाथ महादेव मंदिर उधना स्थित भीड़ भंजन हनुमान मंदिर, परवत पाटिया क्षेत्र स्थित डुंभाल बालाजी मंदिर, गोडादरा क्षेत्र स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, पूना कुंभारिया रोड स्थित शक्तिधाम मंदिर सहित शहर के सभी मंदिरों में शरद पूर्णिमा पर विशेष कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।

इसके अलावा शहर की अलग-अलग सोसायटियों में शरद पूर्णिमा पर विशेष राश गरबा तथा जागरण का आयोजन होगा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तरफ से शरद पूर्णिमा पर रात्रि में खेल कूद एवं बौधिक योग आसन आदि के कार्यक्रम आयोजित होगे तथा खीर प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

सूरत। गुडी पड़वा को लेकर सूरत के कारीगरों ने तैयारियां शुरु कर दी है गुड़ पड़वा के दिन प्रयोग होने वाले अलग-अलग फ्लेवरों के फोहो को तैयार करते कारीगर।

शहर में दिखने लगा जलवायु परिवर्तन का असर

सूरत। शारदीय नवरात्रि से ही वातावरण में शरद ऋतु का असर दिखना शुरू हो जाता है। शरद ऋतु में चलने वाली शीतल हवाएं मन और मस्तिष्क को सकुन देने लगती हैं। परन्तु इस बार सब कुछ उल्टा दिखता नजर आ रहा है, कभी तेज धूप तो कभी उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। ऐसा लगने लगा है मानो सर्दी नही गर्मी के मौसम का आगमन हो रहा हो। जलवायु में हो रहे इस अचानक परिवर्तन के चलते लोग बीमार पड़ रहे है। जिसके चलते शहर के सरकारी अस्पतालों सहित सभी प्राइवेट हास्पीटल मरीजों से खचाखच भरे नजर आ रहे हैं। जानकारों की माने तो यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है। शहर में लगातार बढ़ रहे कंकरीट के जंगलों के कारण के कारण पर्यावरण में गर्मी की मात्रा बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि सर्दी में गर्मी तथा गर्मी में सर्दी जैसा माहौल बनता नजर आ रहा है।

अपहृत कारखानेदार की सायण गांव से मिली लाश: हत्यारे गिरफ्तार

सूरत। कतारगाम नई जीआईडीसी सायण की ओर जा रहे कारखानेदार का कुछ लोगों ने अपहरण कर 40 लाख रुपये फिरौती की मांग की थी। जिससे पुलिस हरकत में आ गई। हलांकि आज सुबह अपहरण किये गये शख्स की हत्या की हुई लाश सायण गांव से मिली। ओलपाड पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार खेडा जिला के निवासी और फिलहाल सूरत में अमरोली कोसाड रोड कैलाश रो-हाउस में रहनेवाले 55 वर्षीय जगदीशभाई पटेल का कतारगाम जीआईडीसी में एम्ब्रोडरी का कारखाना स्थित है। फिलहाल उन्होंने कारखाना किराये से दिया है। जगदीशभाई प्रतिदिन कारखाने पर बैठने के लिए जाते थे। सोमवार शाम वह अंतिम में पान की केबिन वाले से यह कहकर बाईक पर निकले कि वह सायण जा रहे हैं। इस दौरान उनका अपहरण हो गया। मंगलवार सुबह अपहरणकर्ताओं ने पिता के मोबाइल से पुत्र को फोन करके 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी। फिरौती मांगे जाने के बाद पुत्र ने पिता को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुडाने के लिए अमरोली पुलिस को संपर्क किया।

पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुये तमाम पहलुओं की बारीकी से जांच की और पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने की कवायद शुरु की। इस दौरान आज सायण में स्थित एक खेत में से लाश मिली। कारखानेदार का पुत्र बैंक में नौकरी करता है। इस संदर्भ में हत्या का मामला दर्ज कर अमरोली पुलिस के साथ ओलपाड पुलिस ने जांच करते हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किये होने की जानकारी मिली है। जिन्होंने व्याज के रुपये के लेन-देन में हत्या की होने की बात कबूल की है।

पांडेसरा की डाईंग मील में आग से अफरा-तफरी

सूरत। आज सुबह पांडेसरा जीआईडीसी स्थित सुमित डाईंग मील में आग लगने से भारी अफरा-तफरी मच गई। फायर विभाग ने घटना स्थल पर पहुंच आग को नियंत्रण में लिया।

भेस्तान फायर स्टेशन के अधिकारी बोरस्ते के अनुसार पांडेसरा जीआईडीसी में स्थित सुमित डाईंग एन्ड प्रिन्टींग मील में आग लगने की जानकारी सुबह 8:30 बजे मिली। तात्कालिक फायर स्टाफ ने घटना स्थल पर पहुंच आग को नियंत्रण में लेने की कार्यवाही शुरु कर दी। जडाईंग मील के स्टेन्टर मशीन में किसी अज्ञात कारण से आग लगी थी।

सरकार की शोषण की नीतियों के विरूद्ध आमरण अनशन पर उतरी आशा वर्कर

सूरत। कांटेक्ट तथा फिक्स पगार संघर्ष समिति द्वारा पिछले डेढ़ वर्ष से आशा वर्कर्स तथा आशा फैसिलेटर की पगार बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है। जिसके कारण आशा वर्कर के इंसेटिव में सरकार ने 30 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की घोषणा की। परन्तु आशा वर्कर्स इसको सरकार का लाली पाप मान रही हैं। वे सरकार के इस प्रयास को आंदोलन तोड़ने की साजिश मान रहे हैं। आशा वर्कर्स ने अपनी मांगों के समर्थन में आमरण अनशन पर जाने का निश्चय किया है।

स्टेट बैंक शाखा में चोरी का निष्फल प्रयास

सूरत। वेसु भरथाणा भगवान महावीर कॉलेज केम्पस में स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में तस्करो ने चोरी का निष्फल प्रयास किया। खटोदरा पुलिस स्टेशन में सोनाली जयराम वसावा (निवास शिवल फ्लेट गंदेर) ने दर्ज कराई शिकायत के अनुसार गत 30 सितम्बर को सुबह 8:40 बजे से 4 बजे के दौरान अज्ञात शख्स ने बैंक के स्टोर रुम की खिडकी का सरिया तोड भीतर प्रवेश किया। जिसने भीतर तिजोरी तोडने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। समग्र घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना के संदर्भ में खटोदरा पुलिस शिकायत दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

सूरत। पुज्य पन्यास प्रवर श्री पदमदर्शन विजय जी महाराज के पावन सानिध्य में बुधवार को नवपद भक्ति महोत्सव का आयोजन किया गया। अठवा गेट नानपुरा जैन संघ के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। पदम दर्शन जी महाराजके सूरत में हो रहे चातुर्मास कार्यक्रम को लेकर सूरत के जैन धर्मालंबियों में काफी हर्षोल्लास का वातावरण है। जैन धर्म में चातुर्मास का विषेश महत्व है। पुरे नौ महिने तक विचरण करने वाले संत चातुर्मास के दौरान एक जगह स्थिर रह कर ज्ञान उपदेश देते है जिससे पुरे साल तक श्रद्धालुओं में ज्ञान की ज्योत जलती रहती है।

विवाह नहीं करने पर युवती पर एसिड फेंकने की धमकी

सूरत, 4 अक्टूबर। प्रेमांध बने युवक ने माता-बहन के साथ युवती के घर जाकर युवती का हाथ-मुंह बांध रिक्शा में अपहरण किया और विवाह नहीं करने पर एसिड फेंककर जान से मारने की धमकी दी।

उमरा पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रज्ञानगर एसएमसी आवास में रहनेवाला रवि अमित कनोजीया, माता शकुंतला अमृतभाई, बहन नीतु महेन्द्र सिन्दुरिया के साथ 17 वर्षीय युवती के घर में घुस गया।

जहां फरियादी की बहन को मारपीटकर उसका मुंह-हाथ बांध तीनों उसका रिक्शा में अपहरण कर ले गये।

जहां रिक्शा में आरोपी रवि ने युवती की छाती पर हाथ घुमाकर कहा कि उसके साथ विवाह नहीं किया तो उसे तथा उसके घरवालों पर एसिड फेंककर मरवा देगा।

सूरत। दिवाली के आगमन को लेकर बाजार पुरी तरह से सजने लगे है। जहा एक तरफ रंग बिरंगी विद्युत लड़ीयों से बाजार पटने लगे है वहीं दुसरी तरफ कृत्रिम फुलों से बाजार लदे नजर आ रहे है। शहर के भागल चार रास्ता के निकट कोर्ट सफिल रोड़ पर कृत्रिम फुलों से सजा बाजार लोगो के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। प्राकृतिक फुलों की जगह आज कल कृत्रिम फुलों का महत्व बढ़ने लगा है। देखने में प्राकृतिक फुलों जैसे लगने वाले ये फुल हर किसी को पसंद आ रहा है। यही कारण है कि यहा हर साल कृत्रिम फुलो का बड़ा बाजार लगता है।

सूरत स्टेशन पर बरोडा-मुंबई एक्सप्रेस के इंजन में लगी आग

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन पर देर रात बरोडा-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में आग लगने से भारी अफरा-तफरी मच गई। फायर विभाग की सहायता से आग को नियंत्रण में लेने के पश्चात ट्रेन को आगे रवाना किया गया।

फायर विभाग के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार रात साढे बारह बजे बरोडा-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में आग लगने की जानकारी मिली।

तात्कालिक मानदरवाजा और चांची शेरी फायर स्टेशन के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गये। इंजन में शोर्ट सर्किट से आग लगी होने से ड्राईवर द्वारा पानी की बौछार नहीं मारने की सूचना दी गई। फायर स्टाफ ने ड्राय पाउडर (डीपीटी) से आग को काबू में लिया। आग से वायरिंग और मशीनरी को नुकसान हुआ। आधे घंटे का कार्यवाही के बाद इंजन बदलकर बरोडा-मुंबई एक्सप्रेस को मुंबई की ओर रवाना किया गया। आग इंजन में लगी होने से किसी प्रकार की कोई जान हानि नहीं हुई।

नई सिविल हॉस्पिटल में इमरजेंसी सेवा 108 के कर्मचारियों उतरे हड़ताल पर

नौकरी स्थायी किये जाने की मांगको लेकर 15 कर्मचारियों ने शुरु की भूख हडताल

सूरत। 108 एम्ब्युलेंस के कर्मचारियों की विविध लंबित मांग जैसे कि स्थायी करने, शोषण बंद करने, 8 घंटे की नौकरी करने जैसी मांगों के साथ 15 कर्मचारियों ने आज से भूख हडताल शुरु की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 108 एम्ब्युलेंस के कर्मचारियों द्वारा विविध मांग को लेकर समय-समय पर धरना-प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर से शिकायत की गई थी। इसके बावजूद मांग का कोई निराकरण नहीं होने पर आज नई सिविल हॉस्पिटल में भूख हडताल शुरु की गई है। 108 एम्ब्युलेंस सेवा शहर में जारी रख मरीजों या शहरवासियों को असुविधा न हो इस तरह आज से 15 कर्मचारियों द्वारा आमरण उपवास शुरु किया गया है। गोपाल बेलडिया, अल्पेश लाधवा, राकेश परमार, सागर चुडासमा, रमेश भापाणी, मनोज पटेल, किशोर बलदाणिया, जालाम बारैया, स्नेहल पटेल, नीला दरजी, सुभाष परमार, विनोद पाटील, सतीष शिंदे, जितेश चौधरी, अखिलेश डोडिया ने आज सुबह 10 बजे से नई सिविल हॉस्पिटल में भूख हडताल शुरु की है।

मोटा वराछा में अराजक तत्वों ने जलाये टायर

सूरत। मोटा वराछा के आनंदधार चौक क्षेत्र में मंगलवार देर रात अज्ञात लोगों ने बाईक में तोडफोड कर किया जिसे वातावरण तंग हो गया और सडक पर लोगों का टोला उतर आया। लोगों को बिखेरने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो मामला और बिगड गया। आवेशित लोगों ने सडक पर टायर जलाया। मोटा वराछा आनंदधारा चौक समीप कई अज्ञात युवको ने बाईक सवार को मार-पीटकर उसकी बाईक तोडफोड दी। जिससे पुलिस हरकत में आ गई। मंगलवार रात बनी इस घटना के बाद मध्यरात लोगों का टोला सडक पर उतर आया और वातावरण तनावग्रस्त हो गया। एकत्रित हुये लोगों को बिखेरने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया जिससे मामला गरमा गया। आवेशित लोगों ने गाडियों में आग लगाकर जगह-जगह टायर जलाये।

घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात

घटना की जानकारी होते ही तीन से चार पुलिस पीसीआर वान स्थल पर पहुंच गई और अमरोली पीआई के.आई. मोदी तथा कतारगाम, चौक पुलिस का स्टाफ भी पहुंच गया। इस दौरान एसीपी स्तर के अधिकारी भी घटना की गंभीरता को देखते हुये घटना स्थल पर पहुंच गये थे। पुलिस का बडा काफिला घटना स्थल पर पहुंचने से मामला काबू में आ गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com